सीएलटीए

बी.आर. अम्बेडकर का जीवन और विचार

प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीएलटीए)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्र)

बीएबी 101 : बी.आर. अम्बेडकर : विचारक, उनका समय

बीएबी 102 : बी.आर. अम्बेडकर : समाज और संस्कृति

बीएबी 103 : बी.आर. अम्बेडकर के आर्थिक विचार

बीएबी 104 : राज्य, लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.आर. अम्बेडकर का जीवन और विचार प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीएलटीए)

प्रिय विद्यार्थी,

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार आपको, अपने द्वारा चुने गए प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य पूरा करना है।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के हरेक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सत्रीय कार्य के प्रश्न वैश्लेषिक और वर्णात्मक किस्म के है ताकि आप इन्हें बेहतर तरीके से समझ कर, संबद्ध संकल्पनाओं को सविस्तार समझ सकें।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में ही देना जरूरी है। आपके उत्तर, पूछे गए प्रश्न की निर्धारित शब्द–सीमा तक ही सीमित होने चाहिए। स्मरण रहें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल बेहतर होंगे और आप सत्रांत परीक्षा में बेहतर तरीके से उत्तर देने में सक्षम भी होंगे।

जमा कराना

सत्रीय कार्य, **अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक** के पास जमा कराना, आपके लिए जरूरी है। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास सुरक्षित बनाए रखें। आपके द्वारा जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की छायाप्रति रखना, आपके लिए वांछनीय है।

अपने अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा कराते समय, निम्नलिखित सूचना को ध्यान में अवश्य रखें:

जनवरी सत्र हेतु – 31 मार्च तक

जुलाई सत्र हेतु – 30 सितम्बर तक

सत्रीय कार्य करने हेतु दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर, सत्रीय कार्यों में दिए गए निर्देशानुसार ही देंगे। इस संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगा :

1) **योजना बनाना** : सर्वप्रथम सत्रोय कार्य को भलीभांति पढ़े। तत्पश्चात् संबद्ध इकाइयों का अध्ययन करें। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ जरूरी बिंदु बनाए और तत्पश्चात् इन्हें तार्किक क्रम में पुनः व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तर की मोटे तौर पर रूपरेखा तैयार करने से पहले जरूरी सूचना का चयन एवं विश्लेषण ध्यानपूर्वक करें।

सुनिश्चित करें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और संसक्त हो।

ख) प्रयुक्त वाक्यों और व्याख्या में परस्पर समन्वय हो।

ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली की दृष्टि से आपकी प्रस्तुत सही हो।

3) **प्रस्तुति** : अपने उत्तर के संबंध से पूर्ण रूप से संतुष्ट होने के बाद, जमा कराने की दृष्टि से अपने सत्रीय कार्य को अंतिम रूप दें। सभी सत्रीय कार्यों को अपनी लिखाई में साफ–सुथरे तरीके से लिखना जरूरी है।

यदि आप चाहें, तो आप ऐसे बिंदुओं को रेखांकित कर सकते हैं, जिन पर आप जोर देना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा में ही हो।

शुभकामनाओं सहित !

प्रो. रवोन्द्र कुमार

कार्यक्रम संयोजक

इग्नू, नई दिल्ली

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
बी.ए.बी.-102
बी.आर.अम्बेडकर : समाज और संस्कृति

कार्यक्रम कोडः सी.एल.टी. ए.
पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.बी. 102
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं (20x5)। अपना टीएमए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजन को भेंजे।

1. सामाजिक व्यवस्था पर अंबेडकर के विचार की चर्चा कीजिए।
2. भारतीय समाज में गांव की संरचना और प्रक्रियाओं में अम्बेडकर के विचार की व्याख्या कीजिए।
3. शूद्रों पर अम्बेडकर के विचार का विश्लेषण कीजिए।
4. महिलाओं की प्रस्थिति पर अम्बेडकर के विचार का वर्णन कीजिए।
5. जाति व्यवस्था पर अम्बेडकर और गांधी के विचारों की व्याख्या कीजिए।
6. बुद्ध और उनके धम्म पर अम्बेडकर के विचार विस्तार से चर्चा कीजिए।
7. सामाजिक न्याय का अर्थ बताइए तथा सामाजिक न्याय पर अम्बेडकर के विचारों का वर्णन कीजिए।
8. स्वतंत्र भारत में सामाजिक न्याय के उद्देश्य से संविधान सभा में अम्बेडकर की भूमिका क्या थी?